भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +982

सोमवार, 26 जुलाई, 2021/4 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

जम्मू और कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देना

+982. श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पर्यटन जम्मू और कश्मीर की रीढ़ की हड्डी है;

(ख) क्या लॉकडाउन और कई देशों द्वारा अपने पर्यटकों को जम्मू और कश्मीर राज्य में नहीं जाने के सम्बन्ध में जारी की गई सलाह के कारण जम्मू-कश्मीर में पर्यटन उद्योग बहुत बुरी तरह प्रभावित हुआ है;

(ग) क्या सरकार ने अन्य देशों को जम्मू-कश्मीर के सम्बन्ध में जारी की गई सलाह को हटाने के लिए राजी किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और जम्मू-कश्मीर में पर्यटन उद्योग को वापस लाने और रोजगार और राजस्व में वृद्धि के लिए राज्य में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन क्षेत्र जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश सहित देश के आर्थिक विकास का एक प्रमुख साधन है।

संघ शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर सहित देश में पर्यटन उद्योग, चल रही कोविड-19 महामारी के कारण लॉक डाउन, नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के निलंबन और पर्यटक वीजा के कारणों से प्रभावित हुआ है। तथापि, जम्मू-कश्मीर संघ शासित प्रदेश सहित देश में घरेलू पर्यटन में सुधार के संकेत मिल रहे हैं।

विदेश मंत्रालय से मिल रही सूचनाओं के अनुसार, विदेशों में भारतीय मिशन/पोस्ट नियमित रूप से विदेशी वार्ताकारों को संघ शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में राजनीतिक, सामाजिक और विकासात्मक प्रयासों और लोगों, अर्थव्यवस्था और पर्यटन पर इसके सकारात्मक प्रभाव के बारे में जानकारी देते रहते हैं। जम्मू और कश्मीर सहित पर्यटन को बढ़ावा देना मिशनों/केंद्रों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का हिस्सा है।

(घ): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों का दायित्व है। फिर भी, पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) विभिन्न भारतीय पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देने और

वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए पर्यटन उत्पादक बाजारों में भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय, घरेलू यात्रियों के बीच जागरूकता पैदा करने और उन्हें जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों / उत्पादों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से 'देखो अपना देश' अभियान के तहत वेबिनार आयोजित कर रहा है।

पर्यटन मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के पर्यटन विभाग, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफआईसीसीआई) और इंडियन गोल्फ टूरिज्म एसोसिएशन (आईजीटीए) के सहयोग से "कश्मीर की क्षमता का दोहन : स्वर्ग में एक और दिन" शीर्षक से 11 से 13 अप्रैल, 2021 को श्रीनगर में एक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस आयोजन का उद्देश्य संघ शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित करना और इसे अवकाश, साहसिक, पर्यावरण, शादी और 'माइस' पर्यटन के लिए एक गंतव्य के रूप में प्रचारित करना था। इसके अलावा, जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश में पर्यटन के संवर्धन के लिए मंत्रालय की वेबसाइट, सोशल मीडिया हैंडल, विदेश स्थित भारतपर्यटन कार्यालयों के माध्यम से विभिन्न संवर्धनात्मक गतिविधियों आदि के माध्यम से भी प्रचार किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को पहचाना है और पर्यटन के इस विशिष्ट क्षेत्र के विकास और प्रचार पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत मंत्रालय ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और देश के ग्रामीण पहलुओं की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय, पर्यटकों को झलक देने के लिए एक बल गुणक के रूप में विकास और पर्यटन का लाभ उठाने के लिए एक विषयगत परिपथ के रूप में ग्रामीण परिपथ की पहचान की है। इस परिपथ के तहत राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

*****